Ranchi University
NEWSLETTER
April 2022

धूमधाम एवं उत्साह से हुआ विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

समाज में महिलाओं का मनोबल बढ़ाना उनके लिए सम्मान की बात है, ये बातें रांची विवि की इंटरनल कमेटी "महिला कोषांग" एवं एनएसएस के संयुक्त तत्त्वावधान में 8 मार्च को आर्यभट्ट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में रांची की मेयर डॉ आशा लकड़ा ने कहीं। उन्होंने कहा कि हम अमृत महोत्सव आयोजित कर रहे हैं एवं आजादी के लिए किये गये आंदोलनों में महिलाओं की उचित एवं प्रभावी भागीदारी रही है, और इस गौरवपूर्ण परम्परा याद रखना तथा उसको आगे बढ़ाना है। कुलपति डॉ कामिनी कुमार ने कहा कि महिलाएं कुशल प्रबंधन के साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में अपने कर्तव्यों से अलग पहचान बना रही हैं। मेयर ने रांची विवि का महिला हेल्पलाइन नंबर "18003457064" जारी करते हुए कहा कि अब कहीं भी किसी जगह छात्राएं असहज महसूस करती हैं, तो इस हेल्पलाइन नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। कार्यक्रम में विवि के भाषण एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुआ। मौके पर साइंस डीन सह पीठासीन पदाधिकारी डॉ कुनुल कंदिर, डॉ मीना सहाय, रांची विवि के डीएसडब्ल्यू डॉ राजकुमार शर्मा, कुलसचिव डॉ मुकुंद चंद्र मेहता, एनएसएस समन्वयक डॉ ब्रजेश कमार, आदि ने अपने विचार रखे। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का थीम 'एक स्थायी कल के लिए आज की लैंगिक समानता' है। इस विषय को लेकर विवि के बेसिक साइंस बिल्डिंग परिसर से जागरूकता रैली भी निकाली गयी।

Credentials

Patron : *Vice-Chancellor*
Editor :
Dr RK Sharma, Associate Prof. of English, University Department
Managing Editor :
Dr Kanjiv Lochan, Astt. Prof. of History, University Department
Representatives
Birsa College, Khunti
Naseem Haider
B S College, Lohardaga
Dr. Nikhil Kumar
Doranda College, Ranchi
Dr. Nilu Kumari
Gossner College, Ranchi
Dr. Subrato
J N College, Ranchi
Dr. Soni Tiwari
RLSY College, Ranchi
Dr. Agha Zafar
Mandar College, Mandar
Dr. Bandna Rai
Marwari College, Ranchi
Rahul Kumar
Simdega College, Simdega
Dr. Tiriyo Ekka
School of Humanities (PG Depts.)
Dr. Kumud Kala Mehta
School of Science (PG Depts.)
Dr. Anand Kumar Thakur
University Affaires
NSS Coordinator Dr. Brajesh Kumar
Photographer
Niranjan Kumar
We are looking for representatives for the *Newsletter* from teachers/individuals of the following institutions :
B N J College, Sisai
K O College, Gumla
K C B College, Bero
Marwari College, Ranchi
P P K College, Bundu
Ranchi Women's College
S S Memorial College, Ranchi
Minority Colleges
Registrar's office
School of Commerce
School of Social Sciences

From the editor's desk

March is the month of closures and new beginnings. Come March 8 and the celebration of empowered women reverberates throughout the University Departments and Colleges with Dr. Kamini Kumar, our Vice Chancellor as the beacon. While seminars and marches gender sensitized the campus it also provided the opportunity to renew the resolve for upliftment of women in the society.

The university has been abuzz with its Annual Youth Festival, Classical and popular musical event, Lecture Series, Golden Jubilee Celebration of Sanskrit department, farewells and welcomes of officers to new responsibilities, to name but a few, which are being included in the current newsletter. The first batch of Certificate course in Japanese language received their certificates having successfully completed the course.

Another feather in the cap for the University was the inauguration of Ranchi University Publications Division on March 11, 2022, by the honourable Vice Chancellor, Dr. Kamini Kumar. This is among the first in the universities of Jharkhand. It will provide a great impetus to Journal publication as well as publication of quality educational material for the benefit of the students. The Division would function under the DSW section of the University while there would be a Managing Editor attached to it.

The influx of faculty members, transferred to various University departments has infused fresh energy as several departments were being restricted in their functioning due to lack of hands. Be it Faculty Induction Programme or Departmental Seminars or for that matter preparation for the second cycle of NAAC inspection the induction of faculty has provided the much needed muscle to move into readiness.

A flurry of activities like Alumni engagement and Stake Holders' meetings has propelled all departments into preparing for the Annual Academic Audit with which this eventful month was set to close. The audit team visited on 30 - 31 March, 2022. It was a very fruitful exercise to prepare us for the final rounds of our NAAC grading in near future. As we move into summer from spring our experience will guide us into improved endeavours for the achievement of excellence in the field of higher education.

Dr. Samira Sinha, *Guest Editor*

For Your Kind Information

हल-चल

डॉ दिवाकर बने डीन

विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर इतिहास विभाग के अध्यक्ष दिवाकर मिंज सोशल संकाय का नया डीन बनाया है। इनकी नियुक्ति विभागाध्यक्ष के कार्यकाल तक के है। इन्होंने डॉ डीएन ओझा की सेवानिवृत्त के बाद पद संभाला है। कुलपति कामिनी कुमार ने डॉ मिंज का स्वागत किया। डॉ मिंज विवि के प्रॉक्टर भी रह चुके हैं। डीन के रूप में डॉ. मिंज का कार्यकाल उनके अवकाश प्राप्त करने तक रहेगा।

डॉ सुदेश कुमार साहू बने एचआरडीसी निदेशक

विश्वविद्यालय अंतर्गत यूजीसी ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर के नये निदेशक डॉ सुदेश कुमार साहू बनाये गये हैं। डॉ साहू विवि स्नातकोत्तर कॉमर्स विभाग के अध्यक्ष व कॉमर्स के डीन भी हैं। डीन डॉ डीएन ओझा के 28 फरवरी 2022 को सेवानिवृत्त होने के बाद से यह पद रिक्त था। ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर को पूर्व में यूजीसी एकेडमिक स्टाफ कॉलेज के नाम से जाना जाता था।

विश्वविद्यालय IQAC के नये निदेशक

विवि अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. गौरी शंकर झा को IQAC का निदेशक बनाया गया है। डॉ डीएन ओझा के 28 फरवरी 2022 को सेवानिवृत्त होने के बाद से यह पद भी रिक्त था।

पर्यटन पर पुस्तक का हुआ विमोचन

विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में 2 मार्च को डॉ एके चट्टोराज और डॉ अमित कुमार की पुस्तक-टूरिज्म इंडस्ट्री ऑन इंडियन इकोनॉमी का लोकार्पण कुलपति डॉ कामिनी कुमार ने किया। कुलपति ने कहा कि पर्यटन विविध भाषाओं और संस्कृति का दर्पण है। भारत की विविधता और उसके प्रत्येक पहलू को जानने के लिए पर्यटन का महत्वपूर्ण योगदान है। मनोरंजन के साथ यह अर्थव्यस्था के लिए प्रमुख आधार के रूप में कार्य करता है। लेखक डॉ अमित कुमार ने कहा कि पुस्तक में अर्थव्यस्था और पर्यटन को जोड़ने का प्रयास किया गया है, क्योंकि हमारा मानना है कि आतंकवाद लोगों को बांटता है, जबकि पर्यटन जोड़ता है। मौके पर डीएसडब्ल्यू डॉ राजकुमार शर्मा, रजिस्ट्रार डॉ मुकुंद चंद्र मेहता, वित्त पदाधिकारी डॉ केएएन शाहदेव, डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ प्रीतम कुमार, मारवाड़ी कॉलेज के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार, डॉ आरआर शर्मा, डॉ सुदेश साहू, डॉ ए के चट्टोराज, डॉ बीबी महतो आदि उपस्थित थे।

युवा महोत्सव का समापन

रांची वीमेंस कॉलेज में चल रहे युवा महोत्सव का समापन 4 मार्च को हुआ। समापन समारोह में छात्राओं ने नृत्य-गीत की प्रस्तुतियां देकर सांस्कृतिक छटा बिखेरी। उनका उत्साहवर्द्धन करने के लिए प्राचार्या डॉ शमशुन नेहार मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि विजयी प्रतिभागियों को राज्यस्तरीय युवा महोत्सव में भी जाना है। कार्यक्रम का संचालन युवा महोत्सव की समन्वयक डॉ पुष्पा सिंह ने किया। छात्र आइवी चक्रवर्ती ने गणेश वंदना प्रस्तुत कर सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत की। छात्रा सीमा महतो ने भरतनाट्यम प्रस्तुत कर सबका मन मोहा। श्रुति देशमुख ने छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिला के.. गाकर वाहवाही बटोरी। वहीं, अमूल्या ने कलबेलिया नृत्य प्रस्तुत कर सबको झुमाया। बीएड विभाग की छात्राओं ने समूह गीत प्रस्तुत किया। साथ राजस्थानी लोक नृत्य भी प्रस्तुत किया। पामेला मारिक ने *श्रीराम-जानकी बैठे हैं मेरे सीने में* सुनाकर सबको भावविभोर कर दिया। मौके पर शिक्षिकाओं ने भी गीत सुनाए।

रांची विवि के जंतु विज्ञान में समारोह आयोजित

विश्वविद्यालय के मोरहाबादी स्थित बेसिक साइंस भवन के जंतु विज्ञान विभाग में 3 मार्च को दीक्षा समारोह संपन्न हुआ। विभाग से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ एमपी सिन्हा और वर्तमान अध्यक्ष डॉ स्नेहलता ने मास्टर ऑफ सेशंस की उपाधि दी। इस अवसर पर डॉ नैनी सक्सेना, डॉ सीमा केशरी, डॉ आनंद ठाकुर, डॉ एस बेसरा, दिव्या पाठक, आदि उपस्थित थे।

आरएलएसवाइ कॉलेज में ब्लड प्रेशर की जांच

रामलखन सिंह यादव कॉलेज में जंतु विज्ञान विभाग ने 3 मार्च को नि:शुल्क ब्लड प्रेशर मेजरमेंट कैंप लगाया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में ब्लड प्रेशर के प्रति न सिर्फ जागृति उत्पन्न करना था, बल्कि असंतुलित ब्लड प्रेशर के उपचार के लिए सुझाव भी देना था। शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के ब्लड प्रेशर की जांच की गयी। मौके पर प्राचार्य डॉ जेपी सिंह, डॉ शशि शेखर, डॉ आशुतोष, डॉ आगा जफर, रुचिका कुमारी, माधुरी दास आदि उपस्थित थे।

जापानी भाषा के 28 छात्रों को प्रमाण पत्र

विश्वविद्यालय में जापानी भाषा के सर्टिफिकेट कोर्स के पहले बैच के 28 विद्यार्थियों को 3 मार्च को प्रमाण पत्र दिये गये। इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज में कुलपति डॉ कामिनी कुमार ने सफल विद्यार्थियों को ये सर्टिफिकेट दिये। कुलपति ने कहा कि लैंग्वेज की पढ़ाई के लिए अलग से बिल्डिंग तैयार की जायेगी। इस अवसर पर डॉ एमसी मेहता, डॉ स्मृति सिंह, डॉ नितेश राज आदि

उपस्थित थे। जापानी कोर्स के इस बैच की दो छात्राओं मधुलिका और ज्योति एक्का ने रोजगार की ओर कदम बढ़ा लिया है। दोनों छात्राएं जापानी सरकार द्वारा आयोजित लैंग्वेज प्रोफिएंसी टेस्ट में पास हो चुकी हैं। टेस्ट पास करने के बाद दोनों छात्रा डिप्लोमा कोर्स में एडमिशन ले सकती हैं।

संस्कृत विभाग में में विदाई समारोह

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग में 4 मार्च को पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ मोहन गोप को विदाई दी गई। विभागीय प्राध्यापकों व ज्योतिर्विज्ञान विभाग के प्राध्यापकों, कर्मचारियों व छात्रों ने डॉ मोहन को उपहार भेंट किए। छात्रा अनुपमा कुमारी और पूर्वा राय चौधरी ने मंगलाचरण पेश किया। स्वागत गीत पूजा और उनकी टीम ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में नई विभागाध्यक्ष प्रो अर्चना कुमारी दुबे, प्रो चंद्रकांत शुक्ल, डॉ चंद्रशेखर मिश्र, डॉ श्रीप्रकाश सिंह, डॉ उषा टोप्पो, डॉ मधुलिका वर्मा, डॉ नीलिमा पाठक आदि उपस्थित थीं।

संस्कृत विभाग का स्वर्णजयंती समारोह

विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर 5 मार्च को एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। संगोष्ठी का विषय "संस्कृत साहित्य तथा भारतीय संस्कृति में उत्सव परंपरा" था। रांची विवि के पूर्व कुलपति डॉ एए खान ने इस अवसर पर कहा कि आज संस्कृत के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है। संस्कृत भाषा की प्रासंगिकता को आकड़ों के आधार पर विश्लेषित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उत्सव भारतीय संस्कृति के मूल में है। उत्सव को आनंद व उल्लास के साथ मनाना चाहिए। कुलपति डॉ कामिनी कुमार ने कहा कि संस्कृत विभाग प्रत्येक वर्ष अपना स्थापना दिवस मनाता है। उन्होंने कहा उत्सव को अपनी ही परंपरा के अनुरूप मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विवि के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का जल्द ही पुस्तक मेला लगाया जायेगा। मौके पर उपस्थित कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो गंगाधर पांडा ने संस्कृत व लौकिक साहित्य के विभिन्न विधाओं पर प्रकाश डाला। संस्कृत विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ चंद्रकांत शुक्ला ने विभाग के 50 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डाला। सरला बिरला विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गोपाल पाठक ने कहा कि संस्कृत भाषा में प्रकाशन व भाषा विज्ञान के पेटेंट की आवश्यकता है। पटना विवि के संस्कृत विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर उमाशंकर शर्मा ने कहा कि उत्सव का अर्थ ऊंचाई की ओर ले जानेवाल समारोह है। उन्होंने भाषा विज्ञान में अपभ्रंश के प्रयोग के बारे में बताया। विवि के पूर्व कुलपति डॉ के के नाग ने कहा है कि प्रत्येक व्यक्ति में ईश्वरत्व है, उसमें अपार प्रतिभा होती है, आवश्यकता है उसे निखारने की। उन्होंने कहा कि संस्कृत को और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। स्वागत भाषण विभाग की अध्यक्ष प्रो अर्चना कुमारी दुबे ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ नीलिमा पाठक ने किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में विवि के कुलसचिव डॉ मुकुंद मेहता, डॉ गौरी शंकर झा, एसके घोषाल, डॉ श्रीप्रकाश सिंह समेत अन्य लोग उपस्थित थे। समारोह में अभिनंदन ग्रन्थ शुक्लयशोविलास तथा स्वर्ण जयंती पत्रिका सनातनी का लोकार्पण भी किया गया।

एसएस मेमोरियल कॉलेज में सेमिनार

एसएस मेमोरियल कॉलेज बीबीए विभाग के तत्त्वावधान में 5 मार्च को रोल ऑफ टेलीकम्युनिकेशन ड्यूरिंग कोविड-19 विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ सुखी उरांव ने कहा कि कोविड में टेलीकॉम की मदद से लोगों के बीच सहायता पहुंचाने में तेजी आयी। डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने कहा कि टेलीकॉम ने कोविड काल में सिस्टम में कोई दबाव नहीं पड़ने दिया। इससे समाज के हर क्षेत्र को मदद मिल सकी। इस अवसर पर डॉ शकील अहमद, डॉ तनुज खत्री, आदि ने भी अपने विचार रखे।

डोरंडा कॉलेज में शिक्षकों को दी गयी विदाई

डोरंडा कॉलेज शिक्षक संघ की ओर से 5 मार्च को समारोह आयोजित कर कॉलेज से स्थानांतरित शिक्षकों को विदाई दी गयी। ऐसे स्थानांतरित शिक्षकों में डॉ जेबा, डॉ सुनील कुमार, डॉ चंद्रिका ठाकुर और डॉ गौतम मुखर्जी थे। कॉलेज में अन्य जगहों से स्थानांतरित होकर आये डॉ राजेश कुमार लाल, डॉ राकेश कुमार, कंचन मुंडा, प्रिया कुमारी, आशा रानी होरो, शालिनी जी और ममता जी का स्वागत भी किया गया। मौके पर प्राचार्य डॉ बीपी वर्मा, डॉ रजनी टोप्पो, डॉ मंजू लाल व डॉ नारायण भगत, आदि उपस्थित थे।

भूगर्भशास्त्र में कौशल विकास और शोध की संभावनाओं पर हुई चर्चा

विश्विद्यालय के स्नातकोत्तर भूगर्भशास्त्र विभाग और प्रो रघुजी वर्मा स्मृति संस्थान ने 9 मार्च को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने भूगर्भशास्त्र के क्षेत्र में कौशल विकास व शोध की संभावनाएं पर अपने विचार रखे। कुलपति डॉ कामिनी कुमार ने प्रो वर्मा के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के तरफ से विभाग के पीजी टॉपर को प्रो रघुजी वर्मा के नाम से गोल्ड मेडल दिया जायेगा। मुख्य अतिथि डॉ सुरेश प्रसाद सिंह ने उनकी उपलब्धियां बतायी। सम्मानित अतिथि डॉ गणेश्वर झा ने

वर्चुअल अनुभव साझा किये। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि एके श्रीवास्तव, डॉ डीएन ओझा, विजय कुमार ओझा, डॉ एवीके सिन्हा, डॉ विजय सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मंच संचालन आरती राय वर्मा, धन्यवाद ज्ञापन डॉ बीआर झा का रहा।

रंग दे बसंती नाटक का मंचन

गत 10 मार्च को विश्वविद्यालय के परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट विभाग के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने आर्यभट्ट सभागार में रंग दे बसंती कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें गायन, नृत्य, नाटक के साथ चित्रकारी प्रदर्शनी भी लगायी गयी। उत्तीर्ण छात्रों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति डॉ कामिनी कुमार और विशिष्ट अतिथि संजय झा थे। इस दौरान होलिका दहन हास्य नाटक का मंचन हुआ। यह आयोजन अजय मलकानी के युवा रंगमंच और विभाग के तत्वावधान में हुआ। इस अवसर पर विभाग की निदेशक डॉ नीलिमा पाठक, डीएसडब्ल्यू डॉ राजकुमार शर्मा, कुलसचिव डॉ मुकुंद चंद्र मेहता, परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट विभाग की समन्वयक डॉ नियति कल्प आदि उपस्थित थे।

मनोविज्ञान विभाग में स्वागत और विदाई

गत 12 मार्च को स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग में फ्रेशर एवं फेयरवेल पार्टी हुई। नये सत्र के विद्यार्थियों का स्वागत हुआ। मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ जेबा ने कहा कि साइकोलॉजी के विद्यार्थियों को सरकारी संस्थाओं में प्लेसमेंट मिलना चाहिए। डॉ परवेज हसन ने कहा कि कुछ वर्षों में लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ा है। मानसिक असंतुलन आये दिन आत्महत्या का कारण बन रहे हैं। सरकार से अपेक्षा है कि सभी स्कूलों, अस्पतालों, औद्योगिक संस्थानों में काउंसेलर की नियुक्ति की व्यवस्था हो। इस दौरान सनुप राम को मिस्टर फ्रेशर्स व कशिश को मिस फ्रेशर्स का खिताब दिया गया। इस मौके पर डॉ इंदिरा पाठक, डॉ अनीता अरोड़ा, डॉ आभा एक्का आदि उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय के काव्योत्सव में फाल्गुन की फुहार

विश्वविद्यालय के पीजी हिंदी विभाग में आजादी के अमृत महोत्सव पर काव्योत्सव हुआ। इसमें देश के कवियों का जुटान हुआ। शासकीय महाविद्यालय राजनंदगांव के डॉ शंकर मुनी राय गड़बड़ ने फाल्गुन की ने फुहार और पत्नी वंदन का काव्य पाठ किया। जेएनयू के डॉ देवेंद्र कुमार चौबे की राष्ट्रहित कविता की तारीफ हुई। रांची की रजनी शर्मा चंदा ने शृंगारिका कविता का पाठ किया गया। इस अवसर पर पुष्पा सहाय, डॉ जितेंद्र कुमार सिंह, डॉ सुनीता कुमारी, दिनेश्वर प्रसाद, आशुतोष कुमार सिंह, डॉ हीरानंदन प्रसाद और संजय करुणेश उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय मुख्यालय परिसर में होली मिलन

मुख्यालय में 15 मार्च को विवि प्रशासन और कर्मचारी यूनियन ने होली मिलन समारोह आयोजित किया। कुलपति डॉ कामिनी कुमारी ने कर्मचारियों को होली की शुभकामनाएं दीं। मौके पर अखिल भारतीय कर्मचारी यूनियन के प्रदेश संयोजक नवीन चंचल, डीएसडब्ल्यू डॉ. राजकुमार शर्मा, कुलसचिव डॉ मुकुंद चंद्र मेहता, परीक्षा नियंत्रक डॉ आशीष कुमार झा सहित अन्य उपस्थित थे।

एनएसएस का सात दिवसीय शिविर

डोरंडा कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-1 और इकाई-2 का सात दिवसीय विशेष शिविर 25 मार्च से शुरू हुआ। शिविर के उद्घाटन सत्र में रांची विवि के डीएसडब्ल्यू डॉ राजकुमार शर्मा ने स्वयंसेवकों से आत्मनिर्भरता और ईमानदारी से काम करने और समाज को साथ लेकर चलने का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ बीपी वर्मा ने कहा कि एनएसएस स्वयंसेवक समाज में शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक अवश्य करें। रांची विवि के एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार ने कहा कि सात दिवसीय विशेष शिविर करने के बाद आपके व्यक्तित्व का विकास अवश्य होगा। कॉलेज के एनएसएस यूनिट वन की कार्यक्रम पदाधिकारी शालिनी ने कहा कि गोद लिये गये गांव में हम सभी अपने सहयोग से वहां की समस्याओं का निदान करेंगे। इस अवसर पर डॉ एमलिन केरकेटा, एनएसएस टीम लीडर दिवाकर आनंद सहित अन्य उपस्थित थे।

स्नातकोत्तर के कई विषयों के सिलेबस में बदलाव

विश्वविद्यालय अपने स्नातकोत्तर पाठयक्रमों के कई विषयों के सिलेबस में बदलाव करने जा रहा है। जिसके तहत ऐसे अध्याय या टॉपिक हटाए जाएंगे, जो मौजूदा समय में प्रासंगिक नहीं हैं। इसके अलावा कुछ नए टॉपिक भी जोड़े जा रहे हैं। 2017-18 के बाद स्नातकोत्तर के पाठयक्रम में यह बदलाव होने जा रहा है। कोविड काल में विभागों में बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक नहीं हो पायी थी। यह सारी कवायद विश्वविद्यालय प्रशासन नैक मूल्यांकन के द्वितीय चक्र के मद्देनजर कर रहा है। विभिन्न स्नातकोत्तर विभागों में बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में सिलेबस में बदलाव के प्रस्ताव की अनुशंसा की की जा चुकी है। स्नातकोत्तर अंग्रेजी के सिलेबस में 15 प्रतिशत तक बदलाव किया गया है। भाषा विज्ञान में भी कुछ बदलाव किए गए हैं। राजनीति विज्ञान के सिलेबस में पांच प्रतिशत तक बदलाव होगा। इसमें रिसर्च मेथडोलॉजी में प्लेजरिज्म (साहित्यिक चोरी) विषय को जोड़ा गया है। इसी तरह स्नातकोत्तर योग में क्रिया की पढ़ाई सेमेस्टर-1 से ही होगी। योग के स्नातक पाठयक्रम में भी आंशिक बदलाव किया गया है। रसायनशास्त्र, भौतिकी, जूलॉजी, गणित जैसे विषयों के सिलेबस में भी कुछ टॉपिक बदलकर नए जोड़े गए हैं। अकादमिक काउंसिल की बैठक में इसे स्वीकृति के लिए रखा जाएगा।

डॉ टीएन साहू हुए सम्मानित

विश्वविद्यालय के पीजी जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा केंद्र में संकायाध्यक्ष डॉ त्रिवेणी नाथ साहू को नागपुरी भाषा विभाग के छात्रों और शोधकर्ताओं ने 28 मार्च को सम्मानित किया। डॉ साहू ने कहा कि यह सम्मान मेरा नहीं बल्कि माय माटी का सम्मान है। इस तरह के

सम्मान मिलने से समाज के नये साहित्यकारों व लेखकों का मनोबल बढ़ता है। उन्होंने कहा कि भाषा है तो हम और आप हैं।

मैनेजमेंट स्टडीज आइएमएस में मिले पुराने छात्र

विश्वविद्यालय के इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में 27 मार्च को पूर्ववर्ती छात्र सम्मेलन हुआ। सम्मेलन में सैकड़ों पूर्ववर्ती छात्रों ने भाग लिया और यादें ताजा की। अपने कार्य अनुभव को साझा किया और जूनियर छात्रों को जीवन में सफल होने के लिए जरूरी टिप्स दिये। उद्घाटन आइएमएस के निदेशक डॉ वीएस तिवारी ने किया। निर्णय लिया गया कि इस वर्ष एलुमिनी एसोसिएशन का भी गठन होगा। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपने सीनियर्स के स्वागत में नृत्य, गायन, नाटक की प्रस्तुति दी। इस मौके पर को-ऑर्डिनेटर डॉ नीलू सिंह, डॉ चिन्मय, डॉ मनीषा, डॉ सोनी, डॉ पूजा आदि मौजूद थीं।

प्राचार्यों को कंटीजेंसी फंड में मिलेंगे 5000 ज्यादा

विश्वविद्यालय के कॉलेजों के प्राचार्यों को अब कंटीजेंसी फंड में 5000 रुपये अधिक दिये जायेंगे। यह निर्णय 29 मार्च को रांची विवि के फाइनेंस कमेटी की बैठक में लिया गया। कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में कुछ और एजेंडों पर भी सहमति बनी। इसमें विवि के कर्मचारियों और शिक्षकों सहित अन्य के पेंशन और वेतन का बजट पास किया गया। इसे एचआरडी भेजा जायेगा। बैठक में कुलपति के अलावा वित्त पदाधिकारी डॉ एएन शाहदेव, कुलसचिव डॉ मुकुंद चंद्र मेहता सहित अन्य उपस्थित थे।

प्लेसमेंट समाचार

आइएमएस के 27 विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट

विश्वविद्यालय के इंस्टिटयूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आइएमएस) में 29 मार्च को रिलायंस रिटेल की तरफ से विद्यार्थियों के लिए कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। इसमें 27 विद्यार्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर निदेशक डॉ वीएस तिवारी, रिलायंस के एचआर हेड कन्हैया आनंद, अमित वर्मा, दिपावती उपस्थित थे। इसमें दिपावती आइएमएस की छात्रा रह चुकी हैं। इस चयन प्रक्रिया में नियोजन समिति की सदस्य मालविका शर्मा और डॉ अलका सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

मारवाड़ी कॉलेज के 6 छात्रों का एसबीआइ में चयन

गत मार्च में मारवाड़ी कॉलेज के छह एमबीए के विद्यार्थियों का चयन एसबीआइ में बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर के रूप में हुआ। इसमें पंकज कुमार सोनी, वैशाली गुप्ता, अंकिता गुप्ता, काशिफ अख्तर, मोहम्मद मुमताज और निकिता कुमारी शामिल हैं। इनको तीन लाख रुपये सालाना पैकेज के साथ इंसेंटिव दिया जायेगा। इस प्लेसमेंट ड्राइव में एमबीए के 70 विद्यार्थी अलग-अलग राउंड में शामिल हुए थे। चयनित विद्यार्थियों को कुलपति डॉ कामिनी कुमार, प्राचार्य डॉ मनोज कुमार, एमबीए के को-ऑर्डिनेटर डॉ आरआर शर्मा, प्लेसमेंट सेल के को-ऑर्डिनेटर अनुभव चक्रवर्ती ने बधाई दी है। **कॉलेज के दो अन्य विद्यार्थियों का प्लेसमेंट** एचडीएफसी एएमसी में फंड मैनेजर के रूप में हुआ है। दोनों एमबीए के विद्यार्थी हैं: मेघा सिंह और नजरूल आलम। इन्हें 3.5 लाख रुपये के पैकेज के साथ इंसेटिव भी दिया जायेगा। चयन प्रक्रिया 9 से 25 मार्च तक चली जिसमें 55 विद्यार्थी शामिल हुए। 26 मार्च को प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

वीमेंस कॉलेज में शास्त्रीय व सुगम संगीत का आयोजन

रांची वीमेंस कॉलेज में चल रहे युवा महोत्सव के अंतर्गत 2 मार्च को संगीत से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इसमें शास्त्रीय संगीत सुगम संगीत, भारतीय व पाश्चात्य संगीत, समूह गान, आदि किया गया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडली में डॉ लिली बनर्जी, डॉ सुजाता मजूमदार, डॉ पुनम धान, मृणालिनी अखौरी आदि शामिल थीं। प्रतियोगिता का संचालन डॉ पुष्पा सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया।

Meeting of the Board of Studies, University Department of English, 24 March

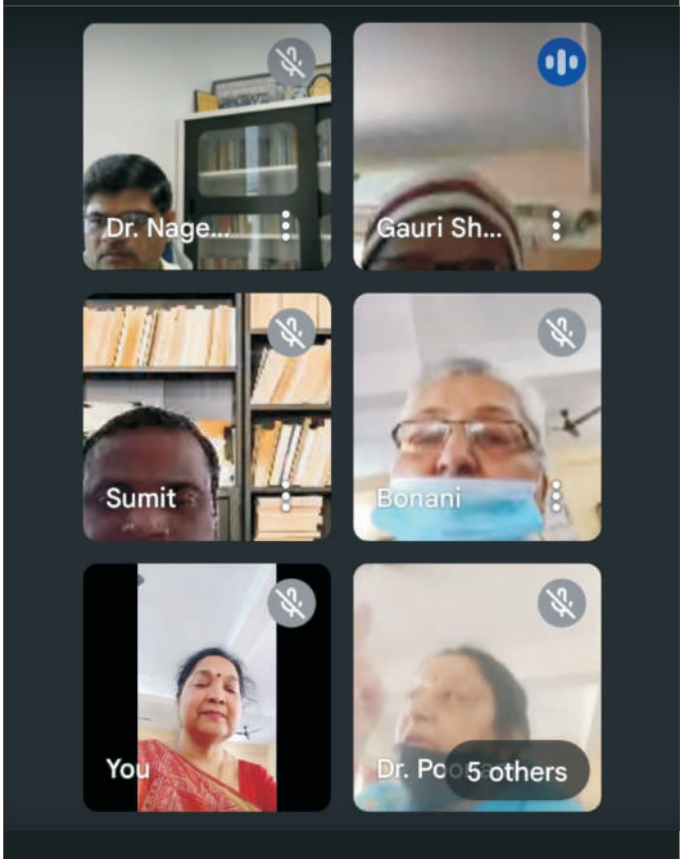

विवि अंग्रेजी विभाग में 28 मार्च को संपन्न अलमुनि बैठक

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समाचार

रांची विमिन्स कॉलेज

रांची वीमिन्स कॉलेज में एनएसस की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन हुआ। प्राचार्या डॉ शमशुन नेहार ने कहा कि समाज से लैंगिक भेदभाव मिटाना है। मुख्य अतिथि डॉ नम्रता महासरिया 'सर्जिकल आंकोलॉजिस्ट' ने स्तन कैंसर की जानकारी दी। स्वाति सुराम्या "ब्रेस्ट कैंसर सर्वाइवर" ने ऑनलाइन संबोधित किया। मिस प्रिया "कैंसर सर्वाइवर" ने भी अनुभव साझा किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ किरण तिवारी और नेहा कौर ने किया।

मारवाड़ी कॉलेज, राँची

मारवाड़ी कॉलेज की महिला इकाई में प्रोफेसर इंचार्ज डॉ एसपी महतो की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। मौके पर प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने कहा कि

महिला सशक्तीकरण एवं लैंगिक समानता का प्रारंभ सर्वप्रथम अपने घर से ही किया जाना चाहिए। मौके पर डॉ साहिन, डॉ बी होरो सहित अन्य शिक्षिकाओं ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर प्रोफेसर इंचार्ज डॉ आर आर शर्मा, डॉ बीबी महतो, आदि उपस्थित थे।

विवि काउंसेलिंग सेल

पीजीडीजीसी और एमए इन काउंसेलिंग सेल कोर्स में विभाग के निदेशक डॉ परवेज हसन की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आदिकाल से ही भारतवर्ष की सभी वर्ग की महिलाएं सर्वशक्तिमान रहीं है और आज भी है। डॉ अनीता अरोड़ा ने कहा कि आज महिलाओं में हुनर की कोई कमी नहीं है। इस अवसर पर साइकोलॉजिस्ट डॉ शशि कपूर, चांदनी कुमारी सहित अन्य मौजूद थीं।

इंस्टीट्युट ऑफ लीगल स्टडीज, मोराबादी

इंस्टीट्यूट आफॅ लीगल स्टडीज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रांची विवि की कुलपति डॉ कामिनी कुमार ने फर्स्ट सेमेस्टर की छात्रा आंचल कुमारी को 2000 रुपये तक की पुस्तक भेंट की, इस अवसर पर प्रभारी निदेशक डॉ पंकज कुमार चतर्वेदी, डॉ स्मृति सिंह सहित अन्य उपस्थित थे। इंस्टीटयूट आफॅ मैनेजमेंट स्टडीज में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति डॉ कामिनी कुमार ने किया।

विवि राजनीति विज्ञान विभाग

– अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी का थीम 'कल के सतत विकास के लिये आज की लैंगिक समानता था।' संगोष्ठी में डॉ टूलू सरकार समेत अन्य उपस्थित रहे। मौके पर एन एस एस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ धीरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि महिला-पुरुष समाज में पंछी के दो पंखों के समान है, जिन्हें समान रूप से सशक्त होना चाहिए। डॉ जेपी खरे ने कहा कि लिंग के नाम पर महिलाओं का शोषण होता है। अत: महिलाओं को पुरुष प्रभावी समाज में संघर्ष से ही रास्ता तलाशना है।

सिमडेगा कॉलेज में युवा महोत्सव

विश्वविद्यालय की अकादमिक-प्रशासनिक ऑडिट

विश्वविद्यालय की अकादमिक-प्रशासनिक ऑडिट (ट्रिपल ए) के लिए दो सदस्यीय टीम ने 30-31 मार्च को विश्वविद्यालय का दौरा किया। विश्वविद्यालय में पहली बार अकामिक ऑडिट होने जा रहा है। इसकी नैक मूल्यांकन में बेहतर ग्रेड प्राप्त करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर के सभी 30 विभागों का डाटा संकलन का काम लगभग पूरा कर लिया है। सभी विभागों में पेरेंट्स टीचर मीटिंग, एलुमनाई एसोसिएशन, मेंटर-मेंटी, हरित पहल, अनुसंधान आदि का डाटा भी संग्रहित किया गया है।

विश्वविद्यालय देख कर अभिभूत हुए जर्मनी के राजदूत

जर्मनी के राजदूत वाल्टर लिंडनर गत 24 मार्च को रांची विश्वविद्यालय के मोराबादी कैंपस स्थित पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में पहुंचे। वहां कुलपति डॉ कामिनी कुमार, रजिस्ट्रार डॉ मुकुंद चंद्र मेहता, उपनिदेशक डॉ विष्णु चरण महतो, समन्वयक डॉ डीके सहाय एवं सभी शिक्षकों ने उनका स्वागत किया। राजदूत वाल्टर लिंडनर के साथ जर्मन दूतावास के कई अन्य सदस्य भी आये थे। जर्मन राजदूत ने पत्रकारिता विभाग के स्टुडियो, प्रयोगशाला एवं कक्षाओं को अपनी टीम के साथ घूम कर देखा। उनकी पूरी टीम विभाग में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया प्रयोगशाला और स्टुडियो के कक्षाओं को देख कर अभिभूत थी। उन्होंने विद्यार्थियों से कई सवाल भी किये। इसके बाद कक्षा में छात्रों के साथ बातचीत से वह इतने प्रभावित हुए कि डेढ़ घंटे तक छात्रों से बात चीत और सवाल जवाब का दौर चलता रहा। कक्षा में पत्रकारिता से एमए एवं बीए कर रहे छात्रों से उन्होने खुद कई सवाल किये और छात्रों के ढेर सारे सवालों का जवाब भी दिया। छात्रों से फेक न्यूज़, न्यू मीडिया की चुनौतियों, प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता पर भी चर्चा की। छात्रों के जर्मनी भारत के संबंधों, जर्मनी में संस्कृत भाषा के प्रति लगाव, जर्मनी की विदेश नीति पर सवालों के जवाब दिये। राजदूत वाल्टर लिंडनर ने बताया कि झारखंड आकर उन्हें बहुत प्रसन्नता हुई।

पब्लिकेशन डिवीजन का नया कार्यालय खुला

विश्वविद्यालय मुख्यालय में विवि के पब्लिकेशन डिवीजन के कार्यालय का उद्घाटन 11 मार्च को कुलपति डॉ कामिनी कुमार ने किया। इस अवसर पर रांची विवि के न्यूज लेटर के मार्च अंक का भी लोकार्पण किया गया। कुलपति ने कहा कि अपना प्रकाशन विवि के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रकाशन डिवीजन से हम छात्रों के सिलेबस को पब्लिश कर सकते हैं। इसके अलावा विवि के जर्नल सहित अन्य चीजों का पब्लिकेशन भी होगा। इस मौके पर डीएसडब्ल्यू डॉ राजकुमार शर्मा, कुलसचिव डॉ मुकुंद चंद्र मेहता, सीसीडीसी डॉ राजेश कुमार, प्रो एसएन मिश्र, आदि उपस्थित थे।

अवकाश प्राप्ति

गत मार्च में राजनीति शास्त्र विभाग की डॉ टुलू सरकार और इतिहास विभाग के डॉ दिवाकर मिंज रिटायर कर गये। 31 मार्च को इन दोनों को भाव भरे माहौल में विदाई दी गई। मौके पर कुलपति ने कहा कि दोनों की कमी विवि को खलती रहेगी।

Published by : Ranchi University, Ranchi Printed by: I. D. Publishing, Ranchi © 9431182812